

मुख्य समाचार :-

- मुख्यमंत्री ने गढ़वाली, कुमाऊँनी और जौनसारी लोकभाषाओं के वॉइस कलेक्शन पोर्टल का किया शुभारंभ, कहा—लोकभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग जरूरी।
- मुख्य सचिव ने पुरानी हो चुकी 108 एम्बुलेंस वाहनों को बदलने के लिए निर्देश, कहा—एम्बुलेंस की मॉनिटरिंग के लिए विभाग में बनेगा मैकेनिज्म।
- देहरादून में हाईटेक कोचिंग सेंटर बना उम्मीदों का केंद्र, ऑनलाइन कक्षाओं और साइन लैंग्वेज से जुड़ रहे अभ्यर्थी।
- प्रदेश में कल से शुरू होगी ईवीएम मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच, मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान 12 नवंबर से होगा शुरू।

वॉइस कलेक्शन पोर्टल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने कैम्प कार्यालय में एआई स्ट्रैटेजिक इंजीनियरिंग फाउंडेशन द्वारा विकसित भाषा एआई पहल के अंतर्गत गढ़वाली, कुमाऊँनी और जौनसारी लोकभाषाओं के वॉइस कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की कुमाऊँनी भाषा में रिकॉर्ड की गई वॉइस क्लिप से अभियान की शुरुआत की गई। इस पहल का उद्देश्य उत्तराखण्ड की लोकभाषाओं को एआई से जोड़कर उनके संरक्षण, संवर्धन और डिजिटल माध्यमों पर उपयोग को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी बोली-भाषाएं हमारी पहचान हैं। अपनी पहचान को बनाए रखने और लोककला, संस्कृति तथा परंपराओं के संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और भविष्य में इसका दायरा और व्यापक होगा। ऐसे में हमें अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को भी इस तकनीक के अनुरूप विकसित करना होगा, ताकि हमारी समृद्ध भाषाई विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के दूर-दराज के गांवों और क्षेत्रों में रहने वाला व्यक्ति भी अपनी बोली-भाषा के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सके और अपनी बात आसानी से सरकार तक पहुंचा सके। इसके लिए आवश्यक है कि एआई हमारी स्थानीय भाषाओं को सही ढंग से समझ सके।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई 108 एम्बुलेंस सेवा से सम्बन्धित व्यय वित्त समिति की बैठक में एम्बुलेंस सेवा को अधिक प्रभावी, सुदृढ़ और जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि 108 एम्बुलेंस सेवा सीधे लोगों के जीवन से जुड़ी है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पुरानी और निर्धारित अवधि पूरी कर चुकी गाड़ियों को तत्काल बदलने की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने तीन लाख किलोमीटर से अधिक चल चुकी लगभग 50 एम्बुलेंस 108 वाहनों को तत्काल बदले जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस को चरणबद्ध तरीके से बदला जाए, लेकिन इसमें अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।

एम्बुलेंस सेवा की प्रभावी निगरानी के लिए विभागीय स्तर पर भी मॉनिटरिंग मैकेनिज्म तैयार किए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अलग अलग स्तर पर साप्ताहिक और मासिक आधार पर निगरानी की जाए।

सपनों को नई उड़ान

पहाड़ के दुर्गम गांवों में बैठकर प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना देखने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अब भौगोलिक दूरी और संसाधनों की कमी राह का रोड़ा नहीं बन रही है। आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्गदर्शन और निःशुल्क कोचिंग की सुविधा ने उनके सपनों को नई उड़ान दी है। राजधानी देहरादून में संचालित सिविल सेवा कोचिंग केंद्र के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले दिव्यांग अभ्यर्थी भी आईएएस और पीसीएस बनने की तैयारी कर रहे हैं। गढ़वाल से लेकर कुमाऊं तक के विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से एक मंच पर जोड़ने वाली यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में समावेशिता और समान अवसरों की नई मिसाल पेश कर रही है।

किताब कौतिक

दून पुस्तकालय और शोध केन्द्र में तीन दिवसीय 'देहरादून किताब कौतिक' कल से शुरू होगा। 'आओ, दोस्ती करें किताबों से' की भावना के साथ आयोजित होने वाले इस पुस्तक मेले में देश के 75 प्रकाशकों की लगभग 80 हजार पुस्तकें पाठकों के लिए उपलब्ध रहेंगी। यह आयोजन क्रिएटिव उत्तराखंड की ओर से किया जा रहा है। संस्था के संस्थापक हेम पंत ने बताया कि साहित्य, संस्कृति, कला और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों और युवाओं में पढ़ने-लिखने की रुचि विकसित करना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है।

प्रथम स्तरीय जांच

प्रदेश में ईवीएम मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच कल से शुरू होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी. आर.सी. पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजनैतिक दलों को ईवीएम –वीवीपीएटी की प्रथम स्तरीय जांच-एफएलसी के प्रस्तावित कार्यक्रम में बारे में जानकारी देते हुए प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसके साथ ही प्रदेश में 12 नवंबर से शुरू होने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के बारे में विस्तृत प्रस्तुतीकरण के साथ ही जानकारी दी गई।

न्याय यात्रा

उत्तराखंड में कांग्रेस ने जनता के अधिकारों और जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए न्याय यात्रा शुरू की है। देहरादून के टपकेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह के नेतृत्व में यात्रा का शुभारंभ किया गया। कांग्रेस ने यात्रा के माध्यम से जनता की समस्याओं, सवालों और अपेक्षाओं को सुनने तथा न्याय और सम्मान की लड़ाई को मजबूत करने का संकल्प जताया। कांग्रेस पार्टी के अनुसार इस अभियान को आगे सहसपुर, विकासनगर, चकराता, धर्मपुर, कैट और ऋषिकेश सहित प्रदेश के अन्य विधानसभा क्षेत्रों तक ले जाया जाएगा।

आरोप

इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर चुनावी हार का दोष संवैधानिक संस्थाओं पर मढ़ने और जनादेश का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया है। देहरादून स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जीत और हार दोनों को स्वीकार करना चाहिए और मतदाता के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए।

पदयात्रा

उधर, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के नेतृत्व में राज्य में पदयात्रा निकालेगी। इस अभियान के माध्यम से केंद्र सरकार के कार्यों और महिलाओं, युवाओं, गरीबों, वंचित वर्गों तथा सैनिकों के लिए किए गए फैसलों की जानकारी जनता तक पहुंचाई जाएगी।

इसके तहत 31 अक्टूबर को श्रीनगर, दो नवंबर को देहरादून और तीन नवंबर को रुद्रपुर में पदयात्राएं आयोजित की जाएंगी। इसके बाद प्रदेश के सभी 13 जिलों में पदयात्राएं निकाली जाएंगी।

मिलावटखोरों के खिलाफ कार्यवाही

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता मानक के अनुरूप सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य संरक्षा एवं औषधि विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ कार्यवाही तेज कर दी है। उधमसिंहनगर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के 169 सैंपल एकत्र किए गए जिनमें 101 नमूनों की रिपोर्ट आ चुकी है जिसमें 46 नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे। सहायक आयुक्त और जिला अभिहित अधिकारी ललित मोहन पांडे ने बताया कि त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य संरक्षा विभाग की टीम जिले के बॉर्डर क्षेत्रों से जुड़े मार्गों से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर रही हैं।